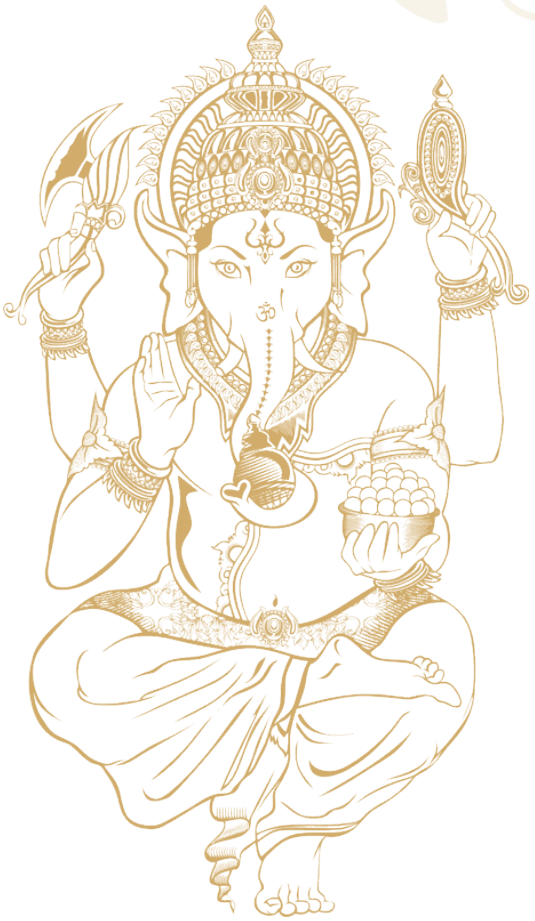

Mr. Laxmi narayan suman

08 Jan 1987

10:00 PM

Kota

Model: web-freekundliweb

Order No: 119713902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/01/1987**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**22:00:00 घंटे**
इष्ट	36:56:58 घटी
स्थान	**Kota**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:11:00 उत्तर
रेखांश	75:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:33:52 घंटे
वेलान्तर	-00:06:28 घंटे
साम्पातिक काल	04:44:38 घंटे
सूर्योदय	07:13:12 घंटे
सूर्यास्त	17:52:12 घंटे
दिनमान	10:38:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	24:10:58 धनु
लग्न के अंश	19:18:34 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सिद्ध
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ली-लीलाधर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	19:18:34	324:24:15	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			धनु	24:10:58	01:01:09	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मेष	14:09:12	12:12:49	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल			मीन	06:26:48	00:41:57	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	21:43:40	01:36:51	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
गुरु			कुंभ	25:06:34	00:10:25	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
शुक्र			वृश्चि	07:31:40	00:57:43	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	सम राशि
शनि			वृश्चि	22:32:51	00:06:25	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	22:37:10	00:01:47	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	22:37:10	00:01:47	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	00:22:15	00:03:25	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
नेप			धनु	12:18:04	00:02:14	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
प्लूटो			तुला	15:57:14	00:01:12	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	18:56:25	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:29

लग्न-चलित

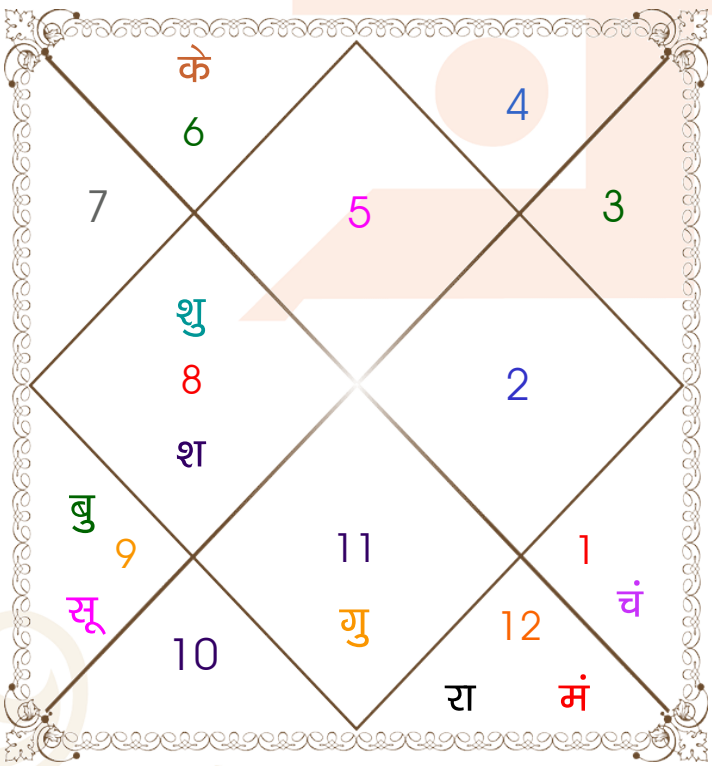

चन्द्र कुंडली

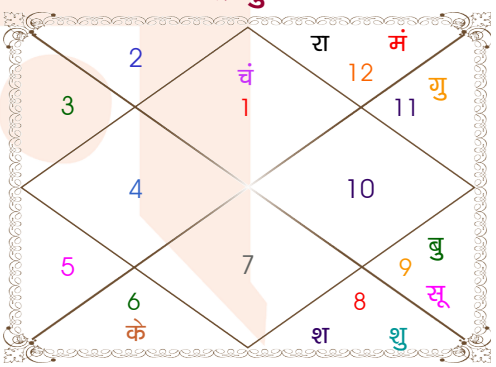

नवमांश कुंडली

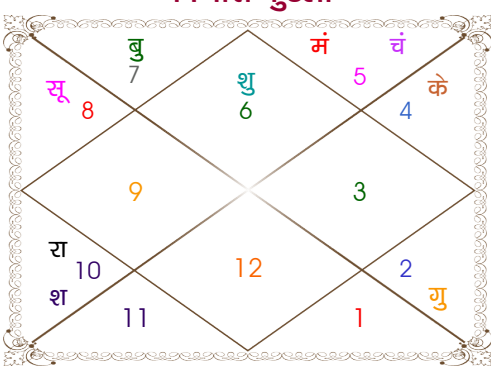

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 18 वर्ष 9 मास 7 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
08/01/1987		16/10/2005		17/10/2011		16/10/2021		16/10/2028	
16/10/2005		17/10/2011		16/10/2021		16/10/2028		16/10/2046	
शुक्र	15/02/1989	सूर्य	03/02/2006	चंद्र	16/08/2012	मंगल	14/03/2022	राहु	29/06/2031
सूर्य	15/02/1990	चंद्र	04/08/2006	मंगल	17/03/2013	राहु	02/04/2023	गुरु	22/11/2033
चंद्र	17/10/1991	मंगल	10/12/2006	राहु	16/09/2014	गुरु	08/03/2024	शनि	28/09/2036
मंगल	16/12/1992	राहु	04/11/2007	गुरु	16/01/2016	शनि	17/04/2025	बुध	17/04/2039
राहु	17/12/1995	गुरु	22/08/2008	शनि	16/08/2017	बुध	14/04/2026	केतु	05/05/2040
गुरु	17/08/1998	शनि	04/08/2009	बुध	16/01/2019	केतु	10/09/2026	शुक्र	05/05/2043
शनि	16/10/2001	बुध	11/06/2010	केतु	17/08/2019	शुक्र	10/11/2027	सूर्य	29/03/2044
बुध	16/08/2004	केतु	16/10/2010	शुक्र	17/04/2021	सूर्य	17/03/2028	चंद्र	28/09/2045
केतु	16/10/2005	शुक्र	17/10/2011	सूर्य	16/10/2021	चंद्र	16/10/2028	मंगल	16/10/2046

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
16/10/2046		16/10/2062		16/10/2081		16/10/2098		17/10/2105	
16/10/2062		16/10/2081		16/10/2098		17/10/2105		00/00/0000	
गुरु	04/12/2048	शनि	19/10/2065	बुध	14/03/2084	केतु	15/03/2099	शुक्र	09/01/2107
शनि	17/06/2051	बुध	28/06/2068	केतु	11/03/2085	शुक्र	15/05/2100		00/00/0000
बुध	22/09/2053	केतु	07/08/2069	शुक्र	10/01/2088	सूर्य	20/09/2100		00/00/0000
केतु	29/08/2054	शुक्र	07/10/2072	सूर्य	15/11/2088	चंद्र	21/04/2101		00/00/0000
शुक्र	29/04/2057	सूर्य	19/09/2073	चंद्र	17/04/2090	मंगल	17/09/2101		00/00/0000
सूर्य	15/02/2058	चंद्र	20/04/2075	मंगल	14/04/2091	राहु	05/10/2102		00/00/0000
चंद्र	17/06/2059	मंगल	29/05/2076	राहु	31/10/2093	गुरु	11/09/2103		00/00/0000
मंगल	23/05/2060	राहु	05/04/2079	गुरु	06/02/2096	शनि	20/10/2104		00/00/0000
राहु	16/10/2062	गुरु	16/10/2081	शनि	16/10/2098	बुध	17/10/2105		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 18 वर्ष 9 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।